ENTRANCE EXAMINATION, 2013

M.Phil./Ph.D. HINDI

[Field of Study Code : HNDP (127)]

Time Allowed : 3 hours *Maximum Marks* : 70

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अन्तिम प्रश्न अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं

1. हिन्दी साहित्य के 'आदिकाल' नामकरण सम्बन्धी बहसों की विवेचना करते हुए 'सिद्ध-सामन्त काल' नाम के औचित्य पर अपना मन्तव्य व्यक्त कीजिए।

अथवा

तुलसीदास की अपेक्षा कबीर और निर्गुण पंथ के अन्य कवि/सन्त अधिक आधुनिक क्यों लगते हैं? भक्ति-काव्य आन्दोलन के सन्दर्भ में सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए।

2. 'पद्मावत' की प्रेम-संवेदना का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

अथवा

मीराबाई के काव्य में सामाजिक मुक्ति की भावना व्यक्त हुई है। सोदाहरण विवेचना कीजिए।

3. 'रीतिकाल' के नामकरण की समस्या पर विचार करते हुए रीतिमुक्त कविता की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का युग-प्रवर्त्तक क्यों कहा जाता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

4. 'प्रयोगवादी कविता' और 'नई कविता' के सम्बन्ध तथा अन्तर को स्पष्ट करते हुए हिन्दी कविता के इतिहास में उनके महत्त्व की विवेचना कीजिए।

अथवा

हिन्दी कहानी के उद्भव का संक्षिप्त विवेचन करते हुए हिन्दी कहानी के विकास में 'नई कहानी' के योगदान को रेखांकित कीजिए।

5. हिन्दी नाटक के विकास का परिचय देते हुए उसकी समकालीन सम्भावनाओं और समस्याओं पर विचार कीजिए।

अथवा

हिन्दी आलोचना में हजारी प्रसाद द्विवेदी **अथवा** रामविलास शर्मा के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

6. आधुनिक हिन्दी साहित्य में हिन्दी के दलित साहित्यकारों के अवदान का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

समकालीन स्त्री-कथा लेखन में अभिव्यक्त स्त्री प्रश्नों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

(क) कवितावली का महत्त्व

(ख) निराला की काव्य-भाषा

(ग) रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास-दृष्टि

(घ) जैनेन्द्र के कथा-साहित्य में स्त्री

(ङ) हिन्दी दलित कहानियों में अभिव्यक्त गैर-दलित पात्र

(च) हिन्दी में आदिवासी साहित्य-विमर्श

अथवा

निम्नलिखित में से किसी **एक** के साहित्यिक अवदान का मूल्यांकन कीजिए :

(क) प्रेमचन्द

(ख) महादेवी वर्मा

(ग) अज्ञेय

(घ) मुक्तिबोध

(ङ) मैत्रेयी पुष्पा

(च) ओमप्रकाश वाल्मीकि

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** आलोचनात्मक कृति की समीक्षा कीजिए :

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण

(ख) कामायनी : एक पुनर्विचार

(ग) भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य

(घ) अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय

(ङ) ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ

(च) दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर

(छ) उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता

अथवा

निम्नलिखित में से किसी **एक** कृति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए :

(क) मैला आँचल

(ख) आधे-अधूरे

(ग) सूखा बरगद

(घ) संसद से सड़क तक

(ङ) दोहरा अभिशाप

(च) नए इलाके

(छ) एक कहानी यह भी

(ज) साकेत

(झ) तमस

(ञ) धुणी तपे तीर

★ ★ ★